कौन बनेगा पास विद् ऑनर प्रश्नोत्तरी

भाग - (90) खण्ड - {179}

समग्र मुरलियों पर आधारित अधोलिखित प्रश्नों के सबसे उपयुक्त एक ही उत्तर का चयन करें.....

प्रश्न 1- कोई भी बात को फील करना -

A- दिलशिकश्त की निशानी है

B- नाराजगी की निशानी है

C- फेल होने की निशानी है

D- दु:ख की निशानी है

प्रश्न 2- तुम्हारी पढ़ाई का सारा मदार है -

A- पवित्रता पर

B- आत्मा की अवस्था पर

C- निश्चय पर

D- योग पर

प्रश्न 3- शान्तिधाम में -

A- खेल नहीं होता

B- बत्तियाँ आदि कुछ नहीं होती

C- सिर्फ संकल्प होते हैं

D- A और B

प्रश्न 4- मुक्ति का अर्थ है -

A- जीवन में रहते सभी इच्छाओं से मुक्ति

B- ड्रामा से मुक्त हो

C- दु:ख से मुक्त हो

D- जीवन बंध से जीवन मुक्ति

प्रश्न 5- श्रीकृष्ण को कंस की जेल में दिखाते हैं। कंस सतयुग में था क्या ? यह हो कैसे सकता। कंस किस को कहा जाता है ?

A- दुःख देते हैं उन्हें

B- असुर को

C- एक-दो को मारते-काटते रहते हैं उन्हें

D- विकारों को

प्रश्न 6- बाप की याद में रहो -

A- किचन में भी भोजन बनाते

B- सोते हुए भी

C- घूमने जाते हो तो भी

D- A और C

E- A, B और C

प्रश्न 7- भारतवासी क्या होने कारण यह भी नहीं जानते कि शिव कौन है जिसकी पूजा करते हैं, उसका आक्यूपेशन तो जानते नहीं ?

A- नास्तिक

B- विकारी

C- पत्थरबुद्धि

D- तमोप्रधान

प्रश्न 8- मन्दिर भी शिव के बहुत ऊंचे स्थान

पर बनाते हैं क्योंकि -

A- ऊंच ते ऊंच है ना

B- भारत को स्वर्ग बनाते हैं

C- पतित-पावन है

D- एवरप्योर है ना

प्रश्न 9- सतयुग में स्टैम्प निकलती है-

A- श्री विष्णु की

B- श्री कृष्ण की

C- श्री लक्ष्मी नारायण की

D- शिव बाबा की

प्रश्न 10- कर्मातीत बनने के लिए चाहिए -

A- याद की यात्रा

B- संपूर्ण पावनता

C- बेहद की वैराग्य वृत्ति

D- संपूर्ण नष्टोमोहा

प्रश्न 11- कोई समय मुरझाइस आती है तो बाबा ने समझाया है ,फौरन क्या करो तो खुशी आयेगी ?

A- बाप को और वर्से को याद करो

B- आत्मा समझो

C- स्वधर्म मे टिक जाओ

D- कई ऐसे रिकार्ड हैं जो तुम सुनो

प्रश्न 12- संगमयुग है ?

A- गीता का युग

B- पुरुषोत्तम युग

C- पुरुषार्थी युग

D- A और B

E- A, B और C

प्रश्न 13- तुम महावीर बच्चों को किस बात की परवाह नहीं करनी है-

A- कोई पवित्र बनने में विघ्न डालता है तो

B- धारणाओं पर चलने नहीं देता है तो

C- सर्विस में विघ्न डालता है तो

D- आसुरी मत दे तो

प्रश्न 14- सबका आदर करनेवाले ही बन सकते हैं -

A- निर्माणचित्

B- निरहंकारी

C- आदर्श

D- देही अभिमानी

प्रश्न 15- हम आत्मा कैसे देवता बन रहे हैं ?

A- पढ़कर नॉलेज सुन

B- ड्रामा अनुसार कल्प पहले मुआफिक

C- याद की यात्रा से

D- दिव्य गुणों की धारणा से

प्रश्न 16- तुम्हारे ऊपर बहुत रेसपान्सिबिलिटी है। किस किस का उद्धार करना है ?

A- अहिल्यायें, कुब्जायें

B- भीलनियां, वेश्याओं

C- साधुओं का

D- उपर्युक्त सभी

प्रश्न 17- कौन सा पाठ ही दुआयें लेने का साधन है ?

A- सन्तुष्टता का

B- हाँ जी का

C- निमित्त भाव का

D- निर्मान भाव का

प्रश्न 18- ओम् शान्ति कहने से भी क्या जरूर याद आना चाहिए ?

A- मैं आत्मा शांत स्वरूप हूँ

B- बाप

C- शान्ति-धाम

D- मैं आत्मा हूं

भाग (90) खण्ड {179} के उत्तर स्पष्टीकरण सहित

उत्तर 1- *C.फेल होने की निशानी है*

स्लोगन:- *कोई भी बात को फील करना - यह भी फेल की निशानी है।*

उत्तर 2- *D.योग पर*

मीठे बच्चे - *तुम्हारी पढ़ाई का सारा मदार है योग पर,* योग से ही आत्मा पवित्र बनती है, विकर्म विनाश होते हैं पढ़ाई तो सहज है, समझ गये हैं कि चक्र कैसे फिरता है, मुख्य है ही याद की यात्रा। यह अन्दर गुप्त है। देखने में थोड़ेही आता है।

उत्तर 3- *D. A और B*

आत्मा ने जाना है हमारा घर शान्तिधाम है, *वहाँ यह खेल नहीं होता। बत्तियाँ आदि कुछ नहीं होती, सिर्फ आत्मायें रहती हैं।* यहाँ आती हैं पार्ट बजाने। तुम्हारी बुद्धि में है - यह बेहद का ड्रामा है। जो एक्टर्स हैं, उन्हों की एक्ट शुरू से लेकर अन्त तक तुम बच्चे नम्बरवार पुरुषार्थ अनुसार जानते हो।

उत्तर 4- *C.दुःख से मुक्त हो*

तुम जानते हो हम बाप को याद करते-करते पवित्र बनते-बनते मुक्तिधाम-शान्तिधाम में जाकर पहुँचेंगे। ऐसे नहीं कि ड्रामा से मुक्त हो जायेंगे। *मुक्ति का अर्थ है - दु:ख से मुक्त हो,* शान्तिधाम जाए फिर सुखधाम में आयेंगे।

उत्तर 5- *B.असुर को*

श्रीकृष्ण का तो चित्र है, देखा जाता है। शिव को देख नहीं सकते। श्रीकृष्ण तो है सतयुग का प्रिन्स। वही फीचर्स फिर हो न सकें। श्रीकृष्ण भी कब कैसे आया, यह भी कोई नहीं जानते। श्रीकृष्ण को कंस की जेल में दिखाते हैं। कंस सतयुग में था क्या? यह हो कैसे सकता। *कंस असुर को कहा जाता है।*

उत्तर 6- *D. A और C*

अपना कैरेक्टर देखना है। रात-दिन हम क्या करते हैं? *किचन में भी भोजन बनाते, रोटी पकाते जितना हो

सके याद में रहो, घूमने जाते हो तो भी याद में।* बाप सबकी अवस्था को तो जानते हैं ना। झरमुई-झगमुई करते हैं तो फिर कट और ही चढ़ जाती है।

उत्तर 7- *D.तमोप्रधान*

भक्ति मार्ग में तो शिवलिंग बनाते हैं। वही ऊंच ते ऊंच आत्मा ठहरे। ऊंच ते ऊंच मन्दिर भी शिव का ही मानेंगे। सोमनाथ शिव का मन्दिर है ना। *भारतवासी तमोप्रधान होने कारण यह भी नहीं जानते कि शिव कौन है जिसकी पूजा करते हैं, उसका आक्यूपेशन तो जानते नहीं।*

उत्तर 8- *A.ऊंच ते ऊंच है ना*

इस समय बाप न आये तो सद्गति कैसे हो क्योंकि सब रौरव नर्क में गोता खा रहे हैं। सबसे ऊंच ते ऊंच है शिवबाबा, पतित-पावन। *मन्दिर भी शिव के बहुत ऊंचे स्थान पर बनाते हैं क्योंकि ऊंच ते ऊंच है ना।*

उत्तर 9- *C.श्री लक्ष्मी-नारायण की*

डबल अहिंसक तो यह लक्ष्मी-नारायण हैं। मनुष्यों को जब पूरा ज्ञान हो तब अर्थ सहित स्टैम्प निकले। *सतयुग में स्टैम्प निकलती ही इन लक्ष्मी-नारायण की है।* शिवबाबा का ज्ञान तो वहाँ रहता नहीं तो जरूर ऊंच ते ऊंच लक्ष्मी-नारायण की ही स्टैम्प लगती होगी।

उत्तर 10- *A.याद की यात्रा*

विकारी पतित मनुष्यों से तुम्हारा कोई कनेक्शन ही नहीं है, हाँ, अभी कर्मातीत अवस्था नहीं हुई है इसलिए कर्म सम्बन्धों से भी दिल लग जाती है। *कर्मातीत बनना उसके लिए चाहिए याद की यात्रा।* बाप समझाते हैं तुम आत्मा हो, तुम्हारा परमात्मा बाप के साथ कितना लव होना चाहिए।

उत्तर 11- *D.कई ऐसे रिकॉर्ड हैं जो तुम सुनो*

बाप कहते हैं विचार करो सतयुग में तुम्हारे सोने के महल कैसे थे। वहाँ तो सब खानियां भरी होती हैं। ढेर का ढेर सोना होता है। तो बच्चों को कितनी खुशी होनी चाहिए। *कोई समय मुरझाइस आती है तो बाबा ने समझाया है - कई ऐसे रिकार्ड हैं जो तुमको फौरन खुशी में ला देंगे।*

उत्तर 12- *A और B*

गीता का युग चल रहा है। गीता का ही पुरुषोत्तम युग गाया जाता है। *तुम लिखो भी ऐसे - गीता का यह पुरुषोत्तम युग है।* जबकि पुरानी दुनिया बदल नई होती है। तुम्हारी बुद्धि में है - बेहद का बाप जो हमारा टीचर भी है, उनसे हम राजयोग सीख रहे हैं।

उत्तर 13- *A.कोई पवित्र बनने में विघ्न डालता है तो*

अभी तुम बाप से वर्सा ले रहे हो। *बाप कहते हैं पवित्र बनो। इसमें कोई विघ्न डालता है तो परवाह नहीं

करनी चाहिए।* रोटी टुकड़ तो मिल सकती है ना। बच्चों को पुरुषार्थ करना चाहिए तो याद रहेगी। बाबा भक्ति मार्ग का मिसाल बताते हैं - पूजा के टाइम बुद्धियोग बाहर में जाता था तो अपना कान पकड़ते थे, चमाट लगाते थे।

उत्तर 14- *C.आदर्श*

स्लोगन:- *सबका आदर करने वाले ही आदर्श बन सकते हैं।* सम्मान दो तब सम्मान मिलेगा।

उत्तर 15- *A.पढ़कर नॉलेज सुन*

तुम जानते हो हम पुरुषार्थ कर रहे हैं, सूर्यवंशी घराने में पहले-पहले आने के लिए। यह है ही नर से नारायण बनने की कथा। तीसरा नेत्र आत्मा को मिलता है। *हम आत्मा पढ़कर नॉलेज सुन देवता बन रहे हैं।* फिर सो राजाओं का राजा बनेंगे। शिवबाबा कहते हैं मैं तुमको डबल सिरताज बनाता हूँ।

उत्तर 16- *D.उपरोक्त सभी*

बच्चों को सर्विस के लिए ख्यालात चलने चाहिए। तुम्हारे ऊपर बहुत रेसपान्सिबिलिटी है। *अहिल्यायें, कुब्जायें, भीलनियां, गणिकायें इन सबका उद्धार करना है। गायन भी है साधुओं का भी उद्धार किया है।* यह तो समझते हो साधुओं का उद्धार होगा पिछाड़ी में। अभी वह तुम्हारे बन जाएं तो भक्ति मार्ग ही सारा खत्म हो जाए।

उत्तर 17- *B.हां जी का*

अभी यही लक्ष्य हो कि जिसके भी सम्पर्क में आयें उसकी दुआयें लेते जाएं। *हाँ जी का पाठ ही दुआयें लेने का साधन है।* कोई रांग भी है तो उसे रांग कहकर धक्का देने के बजाए सहारा देकर खड़ा करो। सहयोगी बनो। तो उससे भी सन्तुष्टता की दुआयें मिलेंगी।

उत्तर 18- *B.बाप*

ओम् शान्ति कहने से भी बाप जरूर याद आना चाहिए। बाप का पहला-पहला कहना है मनमनाभव। जरूर आगे भी कहा है तब तो अभी भी कहते हैं ना। तुम बच्चे बाप को जानते हो, जब कहाँ सभा में भाषण करने जाते हो, वो लोग तो बाप को जानते नहीं। तो उनको भी ऐसा कहना चाहिए कि शिवबाबा कहते हैं, वही पतित-पावन है।

कौन बनेगा पास विद् ऑनर प्रश्नोत्तरी

भाग - (90) खण्ड - {180}

प्रश्न 1- किसके लिए मनुष्य माथा मारते हैं ?

A- मोक्ष की प्राप्ति के लिए

B- स्वीट होम के लिए

C- सुख के लिए

D- धन दौलत के लिए

प्रश्न 2- कौन सी एक्ट अथवा पुरुषार्थ अभी ही चलता है ?

A- याद की यात्रा में रह आत्मा को पावन का

B- देही-अभिमानी रहने का

C- ज्ञान और भक्ति

D- सुख और दुख

प्रश्न 3- दिल में बस यही चाहना रहे कि -

A- कैसे हर आत्मा को बाप का परिचय दें

B- सबकी ज्योत जगाना है

C- यह दुःख की पुरानी दुनिया खत्म हुई कि हुई

D- हम मनुष्य को देवता बनाने की सेवा करें, इस वेश्यालय को शिवालय बनायें

प्रश्न 4- ऊंच ते ऊंच बाप किस की सेवा में उपस्थित हुआ है ?

A- सर्व आत्माओं की

B- विश्व की

C- हम बच्चों की

D- भारत की

प्रश्न 5- कब बाप समान सर्व खजानों से सम्पन्न स्थिति का अनुभव कर सकेंगे ?

A- चेहरे और चलन से बाप की प्रत्यक्षता हो तो

B- विश्व सेवाधारी के संस्कार हो तो

C- ज्ञान के अखुट खजानों के अधिकारी बनो

D- बालक और मालिक दोनों स्वरूप सदा ही प्रत्यक्ष कर्म में आ जाएं तब

प्रश्न 6- तुम इस पाठशाला में आये हो स्वर्ग के लिए पासपोर्ट लेने तो पासपोर्ट लेने के लिए क्या करना है ?

A- आत्म-अभिमानी बनो

B- निश्चय बुद्धि बनो

C- बाप को याद करो

D- लायक बनो

प्रश्न 7- बाहर में रहकर भी अच्छी कमाई कर लेती हैं -

A- मातायें

B- कुमारियां

C- बांधेलियां

D- गणिकाएं

प्रश्न 8- वास्तव में कोट ऑफ आर्म्स है -

A- भारत का राज्य चिन्ह

B- शिव बाबा का राज्य चिन्ह

C- बैज

D- श्री लक्ष्मी नारायण का चित्र

प्रश्न 9- भक्तों पर भीड़ होती है अर्थात -

A- दुख होता है

B- आपदाएं हैं

C- भटकते हैं

D- बहुत तकलीफ में हैं

प्रश्न 10- निःस्वार्थ और निर्विकल्प स्थिति से सेवा करनेवाले ही -

A- सच्चे सेवाधारी हैं

B- बेहद के सेवाधारी हैं

C- सफलता मूर्त हैं

D- विश्व परिवर्तक हैं

प्रश्न 11- किस से किनारा होना ही विजयी बनना है ?

A- देह से

B- माया से

C- विकारों से

D- व्यर्थ से

प्रश्न 12- तुम्हारे पास तो सबसे पुरानी चीज है कौन सी है ?

A- स्वर्ग

B- शिवबाबा

C- प्राचीन योग

D- यह ज्ञान

प्रश्न 13- कैसे आत्मा का श्रृंगार करना है, शरीरों का नहीं ?

A- बाबा की याद से

B- दिव्य गुणों से

C- पुण्य कर्मों से

D- ज्ञान-योग से पवित्र बनने से

प्रश्न 14- तुम जानते हो आत्मा अभी कीचड़ के दुबन (दलदल) में फँस गई है। इस पर कौन सी मिसाल देते हैं ?

A- अल्लाह अवलदीन

B- गज और ग्राह

C- हिरण

D- भ्रमरी का

प्रश्न 15- अपने को और दूसरों को रास्ता बताना है ?

A- भगवान से मिलने का

B- दो बाप हैं, एक हद का, दूसरा बेहद का

C- आत्मा समझ बाप को याद करो

D- नईया इस विषय सागर से क्षीरसागर में कैसे जाये

प्रश्न 16- ..... रूपी विमान द्वारा सबसे ऊंची चोटी की स्थिति में स्थित हो, अव्यक्त वतनवासी बन विश्व की सर्व आत्माओं के प्रति शुभ भावना और श्रेष्ठ कामना के सहयोग की लहर फैलाओ ?

A- श्रेष्ठ संकल्प

B- मन

C- स्नेह

D- दिव्य-बुद्धि

प्रश्न 17- किसी- किसी को तीर क्यों लगता नहीं ?

A- देह-अभिमान में आते हैं

B- तुम लोग बाबा को याद नहीं करते हो

C- माया के कारण

D- वाचा सेवा और मनसा सेवा साथ नहीं होती

प्रश्न 18- काम कटारी न चलाना -

A- उसको ही वैष्णव कहते हैं। वह हैं विष्णु की वंशावली

B- पाण्डवों का कर्म है

C- तो तीर लगेगा

D- इसको ही संपूर्ण पावनता कहा जाता है

भाग (90) खण्ड {180} के उत्तर स्पष्टीकरण सहित

उत्तर 1- *B.स्वीट होम के लिए*

तुम बच्चे जानते हो यह सारी बेहद की दुनिया पुरानी है। अब जाना है नई दुनिया में। बाबा युक्तियां बताते हैं - ऐसी-ऐसी युक्तियों से बुद्धि को याद की यात्रा में लगाना है। हमको अब घर जाना है इसलिए *स्वीट होम को याद करना है, जिसके लिए मनुष्य माथा मारते हैं।*

उत्तर 2- *A.याद की यात्रा में रह आत्मा को पावन बनाने का*

याद की यात्रा में रह आत्मा को पावन बनाने का पुरुषार्थ, सारी दुनिया को पतित से पावन बनाने की एक्ट सारे कल्प में सिर्फ इसी संगम समय पर चलती है। यह एक्ट हर कल्प रिपीट होती है। तुम बच्चे इस अनादि अविनाशी ड्रामा के वण्डरफुल राज़ को समझते हो।

उत्तर 3- *D.हम मनुष्य को देवता बनाने की सेवा करें, इस वेश्यालय को शिवालय बनायें*

जैसे बाबा ने अपना सब कुछ एक्सचेंज कर दिया तो बुद्धि कहाँ जाती नहीं। ऐसे फालो फादर करना है। *दिल में बस यही चाहना रहे कि हम मनुष्य को देवता बनाने की सेवा करें, इस वेश्यालय को शिवालय बनायें।*

उत्तर 4- *C.हम बच्चों की*

कोई-कोई बच्चों से बड़ी-बड़ी ग़फलत होती है। *समझते भी हैं बेहद का बाप जिसको सारी सृष्टि याद करती है, वह हमारी सेवा में उपस्थित है* और हमको ऊंच ते ऊंच बनाने का मार्ग बताते हैं। बहुत प्यार से समझाते हैं फिर भी इतना रिगार्ड देते नहीं। बांधेलियाँ कितनी मार खाती हैं, तड़फती हैं फिर भी याद में रह अच्छा उठा लेती हैं।

उत्तर 5- *D.बालक और मालिक दोनों स्वरूप सदा ही प्रत्यक्ष कर्म में आ जाएं तब*

जितना ही मालिक उतना ही विश्व सेवाधारी के संस्कार सदा इमर्ज रूप में रहें। मालिकपन का नशा और विश्व सेवाधारी का नशा समान रूप में हो तब कहेंगे बाप समान। *बालक और मालिक दोनों स्वरूप सदा ही प्रत्यक्ष कर्म में आ जाएं तब बाप समान सर्व खजानों से सम्पन्न स्थिति का अनुभव कर सकेंगे।*

उत्तर 6- *A.आत्मअभिमानी बनो*

मीठेबच्चे - तुम इस पाठशाला में आये हो स्वर्ग के लिए पासपोर्ट लेने, *आत्म-अभिमानी बनो* और अपना नाम रजिस्टर में नोट करा दो तो स्वर्ग में आ जायेंगे।

उत्तर 7- *C.बांधेलियां*

बांधेलियाँ कितनी मार खाती हैं, तड़फती हैं फिर भी याद में रह अच्छा उठा लेती हैं। पद भी ऊंच बन जाता है। बाबा सबके लिए नहीं कहते हैं। नम्बरवार पुरुषार्थ अनुसार तो हैं ही। बाप बच्चों को सावधान करते हैं, सब

तो एक जैसे हो न सकें। *बांधेलियाँ आदि बाहर में रहकर भी बड़ी कमाई करती हैं।*

उत्तर 8- *C.बैज*

पढ़ाई तो बिल्कुल सहज है। बुद्धि में है शिवबाबा से ब्रह्मा द्वारा हम यह बन रहे हैं। *कहाँ भी जाते हो तो बैज पड़ा रहे। बोलो, वास्तव में कोट ऑफ आर्मस यह है।* समझाने की बड़ी रॉयल्टी चाहिए। बहुत मीठापन से समझाना है। कोट ऑफ आर्मस पर भी समझाना है।

उत्तर 9- *A.दुःख होता है*

देखते हो भक्तों के ऊपर कितनी तकलीफ है। ज्ञान से तुम देवता बन जाते हो फिर *जब भक्तों पर भीड़ होती है अर्थात् दुःख होता है तब बाप आते हैं।* बाप समझाते हैं ड्रामा अनुसार जो पास्ट हुआ सो फिर रिपीट होना है। फिर भक्ति शुरू होती है तो वाम मार्ग शुरू होता है अर्थात् पतित बनने का मार्ग।

उत्तर 10- *C.सफलतामूर्त हैं*

स्लोगन:- *नि:स्वार्थ और निर्विकल्प स्थिति से सेवा करने वाले ही सफलता मूर्त हैं।*

उत्तर 11- *D.व्यर्थ से*

निश्चय बुद्धि बच्चे विजयी होने के कारण सदा खुशी में नाचते हैं। वे अपने विजय का वर्णन नहीं करते लेकिन विजयी होने के कारण वे दूसरों की भी हिम्मत बढ़ाते हैं। किसी को नीचा दिखाने की कोशिश नहीं करते। लेकिन बाप समान मास्टर सहारे दाता बनते हैं अर्थात् नीचे से ऊंचा उठाते हैं। व्यर्थ से सदा दूर रहते हैं। *व्यर्थ से किनारा होना ही विजयी बनना है।*

उत्तर 12- *C.प्राचीन योग*

बाबा बच्चों को कितना अच्छा सौदा देते हैं। कखपन चावल मुट्ठी लेकर महल दे देते हैं। कितनी अच्छी कमाई

कराने वाला है। जवाहरात के व्यापार में भी ऐसे होता है। कोई अमेरिकन ग्राहक आता है तो उनसे 100 की चीज़ का 500, हज़ार भी ले लेंगे। उनसे तो बहुत पैसे लेते हैं। *तुम्हारे पास तो सबसे पुरानी चीज है प्राचीन योग।*

उत्तर 13- *D.ज्ञान-योग से पवित्र बनने से*

बाप आते ही हैं संगम पर, पुरानी दुनिया से नई दुनिया बनाने। दूरदेश से बाबा आया हुआ है, तुम जानते हो नई दुनिया हमारे लिए बन रही है। बाबा हम आत्माओं का श्रृंगार कर रहे हैं। *ज्ञान-योग से पवित्र बन आत्मा का श्रृंगार करना है, शरीरों का नहीं।* आत्मा के पवित्र बनने से शरीर का श्रृंगार स्वत: हो जायेगा।

उत्तर 14- *C.हिरण का*

तुम जानते हो आत्मा अभी कीचड़ के दुबन (दलदल) में फँस गई है। इस पर हिरण का भी मिसाल देते हैं। पानी समझ जाते हैं, परन्तु वह होती है कीचड़,

तो उसमें फँस पड़ते हैं। कभी-कभी स्टीमर्स, मोटरें आदि भी कीचड़ में फँस पड़ती हैं। फिर उनको सैलवेज करते हैं।

उत्तर 15- *D.नईया इस विषय सागर से क्षीरसागर में कैसे जाये*

अपने को और दूसरों को रास्ता बताना है कि तुम्हारी *नईया इस विषय सागर से क्षीरसागर में कैसे जाये।* सतयुग को कहते हैं क्षीरसागर अर्थात् सुख का सागर। यह है दु:ख का सागर। रावण दु:ख के सागर में डुबोते हैं। बाप आकर सुख के सागर में ले जाते हैं।

उत्तर 16- *D.दिव्य-बुद्धि*

दिव्य-बुद्धि रूपी विमान द्वारा सबसे ऊंची चोटी की स्थिति में स्थित हो, अव्यक्त वतनवासी बन विश्व की सर्व आत्माओं के प्रति शुभ भावना और श्रेष्ठ कामना के

सहयोग की लहर फैलाओ। योग के प्रयोग द्वारा दु:खी-अशान्त आत्माओं को शान्ति और शक्ति की सकाश दो।

उत्तर 17- *B.तुम लोग बाप को याद नहीं करते हो*

जैसे बाबा भाषण कर रहे हैं वैसे तुम भी भाषण करो तो बहुतों को आकर्षण हो। *तुम लोग बाबा को याद नहीं करते हो तो किसको तीर लगता नहीं।* वह ताकत नहीं मिलती। नहीं तो तुम्हारा एक ही भाषण ऐसा सुनें तो कमाल हो जाए।

उत्तर 18- *A.उसको ही वैष्णव कहते हैं। वह हैं विष्णु की वंशावली*

दिखाते हैं पाण्डवों और कौरवों की लड़ाई लगी। पाण्डव पहाड़ों पर गल मरे फिर क्या हुआ? मैं कैसे हिंसा करुँगा। मैं तो तुमको अहिंसक वैष्णव बनाता हूँ। *काम कटारी न चलाना, उसको ही वैष्णव कहते हैं। वह हैं विष्णु की वंशावली।*